ज्योतिष शास्त्र

|| हिंदी भाषा का विश्वस्तरीय ज्योतिष ब्लॉग ||

|| विश्व प्रसिद्ध एस्ट्रोलॉजर द्वारा प्रदत्त कुंडली परामर्श ||

Website : https://JyotishShastra.com
Email : care@jyotishshastra.com
Horoscope Web Link : https://JyotishShastra.com/horoscope

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Shri Pradip Patel	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	22 / 12 / 1989	TIME OF BIRTH :	1:00 AM
CITY :	Vadodara	STATE :	Gujarat
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Vedic Parashar	SERVICE NAME :	Career Analysis
QUESTION(S) :	"What Can I do Job Or Business, If Job Than at which time job i can achieved and if business which type of business i do."		

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	कन्या
राशि :	कन्या
ईष्ट देव :	हनुमानजी एवं देवी

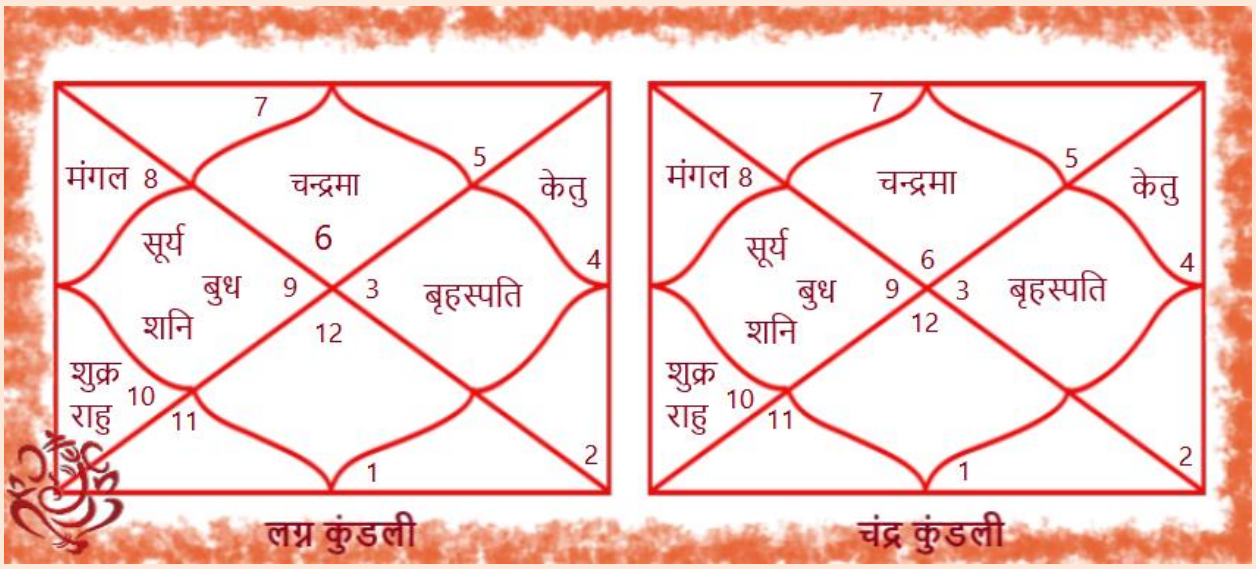

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली की विवेचना :

प्रदीप पटेल जी, आपकी जन्म कुंडली अनुसार साधारण फलादेश आंशिक रूप में इस प्रकार है :-

आपका अपनी माता से अत्यंत प्रेम भाव है | आपकी माता का आशीर्वाद भी आपके ऊपर सदैव बना रहता है | आपके विचार माता से अधिक किन्तु पिता जी से कम मिलते हैं | आपके भीतर निर्णय लेने की क्षमता कम है | आप सही प्रकार निर्णय नहीं ले पाते हैं अथवा निर्णय लेने में आपकी मनो स्थिति शंकित रहती है | निर्णय लेने में माता की ओरे झुकाव रहता हैं | आप मूडी व चंचल किस्म के व्यक्ति हैं | जल के बहाव की तरह आपका मन है | कला / आर्ट के प्रति आपका झुकाव अधिक रहता है | किसी कार्य में अधिक दबाव पड़ने पर आप क्विट कर जाते हैं अथवा यूँ कहु कि उस कार्य को छोड़कर अन्य कार्य में लग जाते हैं | ऐसा आपके साथ बार-बार, हरबार होता है | आपके भीतर दूसरों को समझाने / कन्वेन्स करने की क्षमता एवं स्थिति - परिस्थितियों को संभालने की क्षमता विधमान है | सच झूंठ बोलकर आप स्थिति को संभाल लेते हैं | आप अपने से अधिक आयु की स्त्रियों में आसक्त रहने वाले हैं | अपनी आयु से अधिक की अनेकों स्त्रियों से आपके अनैतिक सम्बन्ध हों, इसकी प्रबल संभावना है | आपका विवाह बहुत अड़चनों एवं कठिनाइयों के पश्चात ही होगा | विवाह उपरान्त भी आपके, पत्नी के साथ सम्बन्ध शांतिपूर्ण व प्रेमपूर्ण नहीं रहेंगे | आपके पुत्री संतान, पुत्र संतान की अपेक्षा अधिक होंगी | पुत्र उत्पन्न हुआ भी तो, उसके जीवन पर घोर संकट रहेंगे|

करियर फलादेश :-

आपके करियर की स्थिति उठापटक वाली है | स्थायित्व नहीं है | वर्तमान में बृहस्पति की महादशा चल रही है जो जुलाई 2029 तक रहेगी, इस कारण आपको करियर में स्थायित्व नहीं मिल पायेगा | जुलाई 2029 के अंतिम चरण से शनि की महादशा प्रारम्भ होगी, जो 19 वर्षो तक प्रभावी रहेगी | यह 19 वर्षो का समय आपके करियर के लिए शुभकार रहेगा | आपका भाग्य उदय भी अगस्त 2029 में ही होगा | इसी समय से आपके करियर को भी स्थायित्व प्राप्त होना प्रारम्भ हो जायेगा |

जन्म कुंडली अनुसार आपकी आय के दो क्षेत्र होंगे | नौकरी के साथ-साथ आप व्यापार भी अवश्य ही करेंगे| काला धन कमाने में आपका दिमाग अधिक कार्य करता है | दो नंबर के धंधे आपको अधिक आकर्षित करते हैं |

आपके लिए व्यापार की अपेक्षा नौकरी करना ज्यादा लाभकारी व हितकारी सिद्ध रहेगा | आप नौकरी में उच्च पदासीन रहेंगे | आपके लिए नौकरी करने के उत्तम क्षेत्र - पुलिस, मिलिट्री एवं अध्यापक के हैं | कंसल्टेशन क्षेत्र से सम्बंधित नौकरी भी आपके लिए उचित रहेगी | नौकरी भी आप बदलते रहेंगे | ऐसा अधिक दबाव आने पर क्विट करने की आदत के कारण रहेगा | आपकी नौकरी फरवरी 2019, में लग जाएगी |

व्यापार करने का परामर्श आपको नहीं दिया जाता है किन्तु फिर भी आप यदि व्यापार करें तो अकेले कदापि भी न करें | अपनी आयु से अधिक व्यक्ति (पिता, बड़ा भाई) के साथ व उनके नीचे रहकर ही करें | व्यापार का नेतृत्व आप स्वमं कदापि भी न करें | चूँकि आपके द्वारा लिए निर्णय व्यापार को गर्त में ले जायेंगे, जिससे आपको अत्यंत धन व मान की हानि उठानी पड़ेगी | व्यापार का मालिकाना अधिकार अपने से बड़ी आयु वाले व्यक्ति को दें व आप एक मैनेजर के रूप में कार्य करें | जीवन पर्यन्त ऐसा करने पर आप व्यापार में सफल होंगे व आपको हानि नहीं होगी | संभवतः वर्तमान समय में आप व्यापार की योजना बना भी रहे हों | जुलाई 2018 से जुलाई 2020 के बीच आप अपना व्यापार प्रारम्भ कर लेंगे |

व्यापार में आप बुध गृह से सम्बंधित कार्य कर सकते हैं जैसे - हरी वस्तुओं से सम्बंधित कार्य, शिल्पकार, वास्तुकार, ग्रामाद्योग, पत्रकारिता, कला, चित्रकारी, इत्र उद्योग, ज्योतिष, कन्सलटैंसी, डाक, कोरियर, मीडिया, बीमा, कथा वाचक, आदि कार्य-व्यवसाय कर सकते हैं |

किन्तु नौकरी एवं व्यापार में वास्तविक स्थायित्व जुलाई 2029 के पश्चात ही मिलेगा, जब शनि की महादशा प्रारम्भ होगी |

उपाय :-

करियर में स्थायित्व एवं जीवन में उच्च आयामों की प्राप्ति हेतु निम्न दिए जा रहे, अत्यंत ही सरल, उपयोगी एवं सटीक उपायों को अपने दैनिक जीवन के कार्यों के रूप में जोड़ लें व इनका निरंतर निर्वहन करते रहे | इन्हे बोझिल मन से न करें, उपाय करते समय निर्मल भाव होना अत्यंत आवश्यक है |

- वाणी पर नियंत्रण रखें |
- व्यापार अकेले न करें |
- बड़ा भाई यदि है, तो उनकी पत्नी को अथवा अपनी आयु से अधिक की स्त्री को, माता तुल्य समझें व व्यवहार करें |
- मदिरा, मांस से आजीवन दूर रहे अन्यथा यह कर्म आपके करियर व वैवाहिक जीवन दोनों को गर्त में ले जायेगा |
- स्त्रियों से अनैतिक सम्बन्ध न रखें अन्यथा यह कर्म आपके करियर व वैवाहिक जीवन दोनों को गर्त में ले जायेगा |
- गुप्त रोगों से बचें |
- देवी की पूजा / उपासना करें |
- हनुमान जी की पूजा / उपासना करें |
- हल्दी का तिलक लगाएं |
- गाय को गुड़ खिलाएं |
- बंदरों को चने खिलाएं |
- सूर्य को जल चढ़ाएं |
- सुबह उठकर शहद का पानी पिएं अथवा भुने चनो के साथ गुड़ खाएं |
- केले के वृक्ष की पूजा / उपासना करें | यदि प्रतिदिन न कर सकें तो, बृहस्पतिवार के दिन अवश्य ही करें |

निर्धारित समय अनुसार किये जाने वाले उपाय :-

- अपने प्रत्येक जन्म दिवस पर रुद्राभिषेक कराएं |
- शुल्क पक्ष के प्रत्येक बृहस्पतिवार को, बेसन के लडडू अथव बेसन से निर्मित अन्य मीठी वस्तु दान करें|
- शुक्ल पक्ष के बुधवार को दाहिने हाथ में पीला धागा धारण करें |
- यदि जीवन में कभी डिप्रेशन / भय / घबराहट / चिंता / परेशानी से घिरें (संभवतः विवाह पश्चात ऐसी स्थिति आएगी), तब शुल्क पक्ष के चन्द्रमा को 15-20 मिनट प्रतिदिन निहारें |

रत्न परामर्श :-

आपको पन्ना, हीरा एवं नीलम रत्न धारण करने की अनुशंसा की जाती है |

पन्ना रत्न धारण विधि :

पन्ना अथवा एमराल्ड बुध ग्रह का रत्न है | पन्ना रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का पन्ना धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल पन्ना स्वर्ण अथवा चाँदी की अंगूठी में जड़वाएं | किसी भी शुक्ल पक्ष के बुधवार को सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती बुध देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बुध देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु आपका प्रतिनिधि रत्न पन्ना धारण कर रहा हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर 108 बारी अगरबत्ती के ऊपर से घुमाते हुए "ऊँ बुं बुधाय नमः" मंत्र का जाप करे तत्पश्चात अंगूठी को विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर कनिष्ठ अंगुली में धारण करें | पन्ना धारण करने के 30 दिनों में प्रभाव देना आरम्भ कर देता है | निरंतर लाभ प्राप्ति हेतु, प्रत्येक तीन वर्षों के अंतराल के पश्चात इसका उक्त विधि द्वारा शुद्धिकरण एवं प्राण प्राण प्रतिष्ठा करते रहे |

हीरा रत्न धारण विधि :-

हीरा शुक्र गृह का प्रतिनिधि रत्न है | हीरे को चाँदी अथवा प्लैटिनम की अंगूठी में जड़वाकर शुक्रवार के दिन, सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करें | अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में डाल दें, फिर पांच अगरबत्ती शुक्रदेव के नाम जलाये और प्रार्थना करे कि हे शुक्र देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न, हीरा धारण कर रहा हूँ, कृपया करके मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकाल कर "ॐ शं शुक्राय नम:" मंत्र के 108 जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उप्पर से 108 बार घुमाए व अंगूठी को लक्ष्मीजी के चरणों से लगाकर अनामिका ऊँगली में धारण करें | हीरा अपना प्रभाव 25 दिन में देना आरम्भ कर देता है |

नीलम रत्न धारण विधि :-

नीलम अथवा ब्लू सफायर रत्न को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का नीलम रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? | इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल नीलम स्वर्ण या पांच धातु की अंगूठी में जड़वाएं | किसी शुक्ल पक्ष के प्रथम शनि वार को सूर्य उदय के पश्चात अंगूठी की प्राण प्रतिष्ठा करे | इसके लिए अंगूठी को सबसे पहले पंचामृत अर्थात गंगा जल, दूध, घी, केसर एवं शहद के घोल में 15 से 20 मिनट तक डाल के रखे, तत्पश्चात स्नान के पश्चात किसी भी मंदिर में शनि देव के नाम 5 अगरबत्ती जलाये, अब अंगूठी को घोल से निकाल कर गंगा जल से धो ले, अंगूठी को धोने के पश्चात उसे 11 बारी "ॐ शं शानिश्चार्ये नम:" मन्त्र का जाप करते हुए अगरबत्ती के उपर से घुमाये, तत्पश्चात अंगूठी को शिव के चरणों में रख दे एवं प्रार्थना करे कि "हे शनि देव में आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा हूँ कृपा कर मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करे" तत्पश्चात अंगूठी को शिव जी के चरणों से स्पर्श कराएं व मध्यमा ऊँगली में धारण करे |

नोट :- रत्न अच्छी क्वालिटी का व दोषमुक्त ही धारण करना उत्तम फलदाई होता है | दोषयुक्त व नकली रत्न विपरीत प्रभाव भी दे देते हैं | रत्न समय के साथ धीरे-धीरे व एक-एक कर धारण करते रहें | तुरंत धारण आवश्यक नहीं है, क्यूंकि यह कॉस्टली होते हैं | रत्न विश्वासपात्र व्यक्ति अथवा विश्वसनीय स्थान से ही खरीदें|

नोट :- आस्था और श्रद्धा से कुछ और बड़ा नही है | लाभ पूर्ण रूप से प्राप्त करने हेतु पूजन एवं उपाय पूर्ण श्रद्धा व भक्ति भाव से करें | बोझिल मन से कतई न करें |

उपाय कठिन नहीं हैं | इन्हे केवल आपको अपनी दिनचर्या में सम्मलित करना है | लाभ प्राप्ति हेतु ऐसा करना कोई बड़ी बात नहीं है | यह पुण्य कर्म हैं जिनका लाभ अवश्य ही प्राप्त होता है |

नोट :- अपने प्रत्येक जन्मदिवस से लगभग 7-10 दिन पूर्व हमें ईमेल (care@jyotishshastra.com) पर सूचित कर अपने करियर व जीवन के उच्च आयाम प्राप्ति हेतु वर्षभर के स्पेशल उपाय अवश्य ही प्राप्त करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

— — — — — — — — — — — —

SANDEEP KUMAR SINGH

Digitally signed by SANDEEP KUMAR SINGH
Date: 2018.06.24 20:05:57 +05'30'